



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 175]

नई दिल्ली, मंगलवार, जून 8, 1982/ज्येष्ठ 18, 1904

No. 175]

NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 8, 1982/JYAISTHA 18, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

(विदेश कर प्रभाग)

शुद्धिपत्र

नई दिल्ली, 8 जून, 1982

सां०का०नि० 451 (अ)—भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 2, खंड 3, उपखंड (i) तारीख 16 अक्टूबर, 1981 के पृष्ठ 1621-1631 पर  
प्रकाशित, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 559 (अ) तारीख 16 अक्टूबर, 1981 में—

पृष्ठ सं० 1621, स्तंभ 1, अंतिम पंक्ति में "प्रवर सचिव" के स्थान पर "संयुक्त सचिव" पढ़ें।

पृष्ठ सं० 1622, अध्याय 1 अनुच्छेद 11 शीर्षक में

पृष्ठ सं० 1622, अध्याय 1, अनुच्छेद 2, पंक्ति 1 में "(?)" के स्थान पर "(;)" पढ़ें।

पृष्ठ सं० 1622, अध्याय 1, अनुच्छेद 2, पंक्ति 13 में "जैसे" के स्थान पर "वैसे" पढ़ें।

पृष्ठ सं० 1622, अध्याय 2, अनुच्छेद 3, पंक्ति 1, में "अन्यथा अपेक्षित हो" के स्थान पर "अन्यथा अपेक्षित न हो" पढ़ें।

पृष्ठ सं० 1622, अध्याय 2, अनुच्छेद 3(ब), पंक्ति 4 में "मूल" के स्थान पर "भूत" पढ़ें।

पृष्ठ सं० 1622, अध्याय 2, अनुच्छेद 3(ड), पंक्ति 1 में, "(ड)" के स्थान पर "(ड)" पढ़ें।

पृष्ठ सं० 1623, अध्याय 2, अनुच्छेद 5(च), पंक्ति 1 में "संसाधनों" के स्थान पर "समाधनों" पढ़ें।

पृष्ठ सं० 1623, अध्याय 2, अनुच्छेद 5, 4, पंक्ति 2 में "अधिक जो" के स्थान पर "अधिक—जो" पढ़ें।

पृष्ठ सं० 1623, अध्याय 2, अनुच्छेद 6, पंक्ति 6 में "कही" के स्थान पर "नही" पढ़ें।

पृष्ठ सं० 1624, अध्याय 3, अनुच्छेद 7.1, पंक्ति 2 में "बनाना हो, तो" के स्थान पर "बनाना हो", पढ़ें।

पृष्ठ सं० 1624, अध्याय 3, अनुच्छेद 7.2, पंक्ति 8 में "कारण नहीं" के स्थान पर "कारण हुई नहीं" पढ़ें।

पृष्ठ सं० 1624, अध्याय 3, अनुच्छेद 7.4, पंक्ति 5 में "कण" के स्थान पर "कर" पढ़ें।

पृष्ठ सं० 1625 अध्याय 3, अनुच्छेद 12.6, पंक्ति 1 में "अवृत्त" के स्थान पर "उद्भूत" पढ़ें।

पृष्ठ सं० 1625, अध्याय 3, अनुच्छेद 12.6, पंक्ति 5 में "इसका स्थायी" के स्थान पर "इसका एक स्थायी" पढ़ें।

- पृष्ठ सं० 1626, अध्याय 3, अनुच्छेद 13.4, पंक्ति 4 में "स्वायी प्रतिकृत" के स्थान पर "स्वायी प्रतिष्ठान" पढ़ें।  
 पृष्ठ सं० 1626, अध्याय 3, अनुच्छेद 14.3, पंक्ति 3 में "ऐसा" के स्थान पर "ऐसी" पढ़ें।  
 पृष्ठ सं० 1626, अध्याय 3, अनुच्छेद 15.3, पंक्ति 1 में "ध्याप्रयत्न" के स्थान पर "ध्याप्रयुक्त" पढ़ें।  
 पृष्ठ सं० 1626, अध्याय 3, अनुच्छेद 15.3, पंक्ति 1 में "वृत्ति संबंधी कोस" के स्थान पर "वृत्ति सम्बन्धी कोस" पढ़ें।  
 पृष्ठ सं० 1626 अध्याय 3, अनुच्छेद 15.4 पंक्ति 4 में "करत" के स्थान पर "करता" पढ़ें।  
 पृष्ठ सं० 1627, अध्याय 3, अनुच्छेद 17.2(ब), पंक्ति 2 में "को गई" के स्थान पर "को गईं" पढ़ें।  
 पृष्ठ सं० 1627, अध्याय 3, अनुच्छेद 18, पंक्ति में 3 में "निवेश" के स्थान पर "निवेशक" पढ़ें।  
 पृष्ठ सं० 1627, अध्याय 3, अनुच्छेद 19.1, पंक्ति 4 में "आयकर" के स्थान पर "आय पर" पढ़ें।  
 पृष्ठ सं० 1627, अध्याय 3, अनुच्छेद 19.2, पंक्ति 1 में "अनुच्छेद" के स्थान पर "अनुच्छेद" पढ़ें।  
 पृष्ठ सं० 1628, अध्याय 3, अनुच्छेद 22, शीर्षक में "प्रशिक्षु" के स्थान पर "प्रशिक्षु" पढ़ें।  
 पृष्ठ सं० 1628, अध्याय 3, अनुच्छेद 22.1, पंक्ति 5 में "संविदाकारी" के स्थान पर "संविदाकारी" पढ़ें।  
 पृष्ठ सं० 1628 अध्याय 3, अनुच्छेद 23.4, पंक्ति में 2 में "जित सम्बन्ध" के स्थान पर "जित सम्बन्धिन" पढ़ें।  
 पृष्ठ सं० 1629, अध्याय 4, अनुच्छेद 25.3(क), पंक्ति 2 में "अनुसार में" के स्थान पर "अनुसार" पढ़ें।  
 पृष्ठ सं० 1629, अध्याय 4, अनुच्छेद 25.3(ख)(2), पंक्ति 1 में "धरा" के स्थान पर "धारा" पढ़ें।  
 पृष्ठ सं० 1629, अध्याय 4, अनुच्छेद 25.3(ब)(9), पंक्ति 1 में "धारा 80 एच आई" के स्थान पर "धारा 80 एच एच ए" पढ़ें।  
 पृष्ठ सं० 1630, अध्याय 5, अनुच्छेद 26.4, पंक्ति 1 में "जिनकी पूर्णतः" के स्थान पर "जिनकी पूर्ण पूर्णतः" पढ़ें।  
 पृष्ठ सं० 1630, अध्याय 5, अनुच्छेद 26.5, पंक्ति 1 में "उतहें" के स्थान पर "उत" पढ़ें।  
 पृष्ठ सं० 1630, अध्याय 5, अनुच्छेद 26.5, पंक्ति 1 में "से" के स्थान पर "से है" पढ़ें।  
 पृष्ठ सं० 1630, अध्याय 5, अनुच्छेद 29, पंक्ति 3 में "मे" के स्थान पर "पर" पढ़ें।  
 पृष्ठ सं० 1631, अध्याय 6, अनुच्छेद 31(ब), पंक्ति 3 में "आय के ब" के स्थान पर "आय के वर्ष" पढ़ें।

[क्र० सं० 501/18/73-एफ टी डी]

र० रा० बोसला, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

(Foreign Tax Division)

## CORRIGENDA

New Delhi, the 8th June, 1982

G.S.R. 451 (E).—In the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No.559(E), dated the 16th October, 1981 published at pages 1621 to 1636/3 of the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i), dated the 16th October, 1981—

- (1) at page 1632, Article 3, para 1 (e) line 1,  
for "individuals companies" read "individuals, companies";
- (2) at page 1634,—(a) Article 11, para 4, line 7, for "respec" read "respect";  
(b) Article 12, para 3, line 3, omit 'Bank';
- (3) at page 1635,—Article 13,—(a) para (2), line 2, for "arisen" read "arise";  
(b) para 5, line 9, for "arisen" read "arise";
- (4) at page 1636—(a) Article 16, para 1(a), line 2, for "States" read "State";  
(b) Article 17, para 3, line 2, for "exercise" read "exercised";
- (5) at page 1636/1,—(a) Article 23, para 3, line 1, for "and" where it occurs for the second time read "an";  
(b) Article 25,—(i) para 2 (a), line 16, for "India and" read "India, and";  
(ii) para 3 (a), lines 5 and 6, for "Tanzania shall" read "Tanzania, shall"; and in line 6, for "Tanzania" read "Tanzanian";
- (6) at page 1636/2,—Article 26, para 3, last line, for "are resident" read "are so resident"

[No. 501/18/73-FTD].

R. R. KHOSLA, Joint Secy.